नजफगढ़ ड्रेन सुंदरीकरण पर खर्च होंगे 700 करोड़

द्वारका इलाके से गुजर रही नजफगढ़ ड्रेन ● जागरण आर्काइव

नजफगढ़ ड्रेन को मूल स्वरूप में लाने को दिल्ली सरकार ने बनाई योजना, गंदा पानी साफ करने के लिए लगाए जाएंगे एसटीपी

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : नजफगढ़ ड्रेन की सफाई और सुंदरीकरण के लिए दिल्ली सरकार ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके लिए योजना तैयार हो चुकी है। साहिबी नदी के इस हिस्से को मूल स्वरूप में लाने के लिए दिल्ली सरकार ने बजट में 700 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रविधान किया है। दिल्ली के सबसे बड़े विधानसभा क्षेत्र मटियाला के ककरौला से यमुना तक और ककरौला से ढांसा बार्डर तक इसके सुंदरीकरण के साथ सफाई की योजना इस तरह बनाई गई है कि कालोनियों और गांवों का गंदा पानी बगैर साफ किए एक बूंद भी ड्रेन में नहीं छोड़ा जाएगा। उम्मीद है कि इस प्रयास के बाद नजफगढ़ नाला अपने मूल स्वरूप में लौट आएगा।

वर्षों पहले बारिश का पानी हरियाणा की साहिबी नदी से बहकर आता था और यमुना में चला जाता था। 1967 और 1977 के दौरान इसमें इस कदर पानी आता था कि दिल्ली के समीपवर्ती हिस्से में पानी भर जाता था। इस तरह से नजफगढ़ ड्रेन में 1980 तक बारिश का पानी आता रहा। जयपुर के जीतपुर नामक स्थान से निकलकर रेवाड़ी गुरुग्राम होते हुए साहिबी नदी का पानी नजफगढ़ ड्रेन में गिरता था। लेकिन जैसे बारिश कम होने लगी यह इसमें पानी कम होने लगा। अब नजफगढ़ ड्रेन में कचरा भी पहुंच रहा है।

मटियाला विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुलाब सिंह यादव बताते हैं कि दिल्ली सरकार की इस योजना के तहत गांवों और कालोनियों में जगह जगह पर सीवर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाएगी, ताकि गंदे पानी को नजफगढ़ ड्रेन में गिरने से रोका जा सके। इसके साथ ही नजफगढ़ ड्रेन में जमी गाद को साफ किया जाएगा। ड्रेन के किनारे तक गंदगी न पहुंचे इसलिए नाले के किनारे पर पेड़ पौधे लगाएं जाएंगे। इसके बीच साइकिल ट्रैक बनाए जाएंगे। बैठने के लिए बेंच लगाए जाएंगे। रोशनी का भी प्रबंध किया जाएगा।